

डॉ. डोनाल्ड फाउलर, पुराने नियम की पृष्ठभूमि, व्याख्यान 21, नव-बेबीलोनियन साम्राज्य और यहूदा का अंत

© 2024 डॉन फाउलर और टेड हिल्डेब्रांट

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 21, नव-बेबीलोनियन साम्राज्य और यहूदा का अंत है।

खैर, आप सभी का फिर से स्वागत है।

यहां टेपिंग का यह हमारा आखिरी दिन है। यह शुक्रवार की सुबह है, और आज सुबह शुरू करते हुए मैं यह कहना चाहता हूं कि इस टेप पर आपके साथ साझा करने का अवसर मिलना और विशेष रूप से आपका यहां हमारे साथ होना वास्तव में खुशी और सौभाग्य की बात है। और मुझे अपने अच्छे दोस्त टेड हिल्डेब्रांट के साथ रहने का अवसर मिला जो यह सब संभव बना रहा है।

इसलिए, हमारा साथ देने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद और हम एक महत्वपूर्ण युग छोड़ रहे हैं। यह पहली महाशक्ति का युग है और उन्हें ऐसा लग रहा होगा कि यह कभी खत्म नहीं होगा। तीन शताब्दियाँ बिल्कुल तीन दशकों के समान नहीं हैं।

तो, ऐसी कई पीढ़ियाँ थीं जिन्होंने असीरियन प्रभुत्व के अलावा कभी कुछ नहीं जाना था। और अब ठीक उसी तरह, बिल्कुल सही परिस्थितियों में, असीरिया पर विजय पाई जा सकती है। यह केवल परिस्थितियों के आदर्श संयोजन के साथ ही हो सकता था।

तो, हमारे पास एक प्रकार का गठबंधन है जो इस शक्तिशाली असीरियन साम्राज्य को नीचे लाने में सक्षम था। और इसलिए, वह गठबंधन पूर्व में मेड्स के साथ गठबंधन में दक्षिण की बेबीलोनियाई शक्ति थी। और यदि आप मेरे साथ मंच तैयार करने के लिए स्थलाकृति की तस्वीर ले सकें, तो यहां बैंगनी रंग में मेसोपोटामिया घाटी है।

और फिर मेसोपोटामिया को ईरान से अलग करना या इसके लिए अन्य नाम ज़ाग्रेस पर्वत हैं। फिर ज़ाग्रेस पर्वत क्षेत्र के पूर्व में मेड्स और फारसियों का क्लासिक क्षेत्र है। इसलिए, बेबीलोनियों ने मेड्स के साथ गठबंधन बनाया और मेड्स ही वे लोग थे जो वास्तव में असीरियन साम्राज्य को नीचे लाने में प्रमुख लोग थे।

वे भयंकर घुड़सवारों के एक समूह के साथ भी संबद्ध थे जो सीथियन नामक इस गठबंधन में शामिल हो गए थे। हमें लगता है कि वे रूसी मैदान से आए हैं। लेकिन इस गठबंधन और इस तथ्य के बीच कि असीरिया विघटित हो गया था और बहुत कमजोर हो गया था, इस साम्राज्य के अंत का यह बिल्कुल सही समय था।

और इसलिए, ऐसा ही था। इसलिए, मैंने गलत दस्तावेज़ पर क्लिक कर दिया होगा, इसलिए धैर्य रखें क्योंकि मुझे अपनी सामग्री वापस पाने में कुछ मिनट लगेंगे। बेबीलोन की इस बढ़ती शक्ति में, दुनिया में बदलाव आएगा, लेकिन फारसियों के सत्ता संभालने के बाद 70 वर्षों में ऐसा कुछ नहीं होने वाला है।

तो, नव-बेबीलोनियन काल वह अवधि है जिसमें बेबीलोन असीरिया के साथ एक स्किज़ोफ्रेनिक संबंध में रहा है। असीरियन उन्हें स्पष्टतः किसी न किसी प्रकार के धार्मिक स्नेह से देखते थे। वे बेबीलोन के महान धार्मिक अतीत का गहरा सम्मान करते थे, खासकर इसलिए क्योंकि असीरिया का कोई अतीत नहीं था जो तीसरी सहस्राब्दी तक फैला हो।

इसलिए, वे बेबीलोन का सम्मान करते थे, लेकिन बेबीलोनवासी वास्तव में अशूरियों की उस तरह से सराहना नहीं करते थे। इसलिए, जिस पूरे काल में ये दोनों राजनीतिक संस्थाएं साथ-साथ रहीं, उनमें मनमुटाव बना रहा। तो, असीरियन साम्राज्य के पतन के अंत में नाबोपोलस्सर वहां बेबीलोन का राजा है।

और इसलिए, नाबोपोलास्सर अब है, भले ही वह बेबीलोन का राजा है, मुझे यह बात स्पष्ट करने की ज़रूरत है कि, और यह सीमांत है, ऐसा नहीं है कि आपको इसे नीचे रखना है, लेकिन बेबीलोनिया अब एक अरामी-भाषी इकाई का हिस्सा है अब ठीक से चाल्डिया कहा जा सकता है। इसलिए, दक्षिण में अरामियों को कसदी कहा जाता था, और उत्तर में अरामियों को अरामी कहा जाने लगा। तो, नाबोपोलास्सर चाल्डियन अर्क का था, जो दक्षिणी अरामियन से ज्यादा कुछ नहीं है।

उन्होंने 626 में बेबीलोन की गद्दी संभाली, और यह वह समय था जब असीरिया विघटन की स्थिति में था। ऐसा प्रतीत होता है कि मेड्स के साथ उसका गठबंधन असीरियन साम्राज्य को गिराने में सबसे प्रभावशाली था। 617 तक, उसने बेबीलोनिया से अशूरियों को साफ़ कर दिया था।

अशूर की आखिरी सेना के हारान में पीछे हटने के बाद, उसने 611-610 में हमला किया, और इस बीच, मिस्र की एक बड़ी सेना असीरिया की सहायता करने की कोशिश करने के लिए उत्तर की ओर आई थी। 609 में दोनों सेनाएँ टकराईं, और जाहिर तौर पर बेबीलोनियों ने वह लड़ाई जीत ली। योशियाह, जो यहूदा के सिंहासन पर अंतिम धर्मात्मा राजा था, ने फिरौन को अशूरियों की सहायता के लिए उत्तर की ओर जाने से रोकने की कोशिश में अपना जीवन खो दिया।

प्रयास में असफल होने के बाद, लेकिन योशियाह द्वारा नहीं, मिस्रवासी कई वर्षों तक फ़िलिस्तीन के नियंत्रण में रहे। इसलिए, मुझे लगता है कि घटित घटनाओं के आश्चर्यजनक और अराजक मोड़ के बारे में आपको समझाने के लिए यहां रुकना उचित होगा। जब प्राचीन दुनिया में लोगों को यह स्पष्ट हो गया, जब यह स्पष्ट हो गया कि असीरिया संकट में है, तो नए गठबंधनों का एक अजीब समूह बनना शुरू हो गया।

मिस्रवासियों ने माना कि असीरिया कमज़ोर है, और इसलिए उन्होंने असीरिया के साथ मित्रता करने का निर्णय लिया। अब यह उन लोगों में से एक है जिन्होंने कुछ पल सोचा होगा। कोई भी

यह अनुमान नहीं लगा सकता था कि मिस्रवासी बेबीलोनियों से अशूरियों को बचाने की कोशिश करेंगे।

बिलकुल वैसा ही हुआ. इसलिए, मिस्रियों ने अशूरियों की मदद करने की कोशिश में इसराइल के क्षेत्र से होते हुए यहां उत्तर की ओर, हारान के करीब एक सेना भेजी। और 609 में, वे हार गए, और इसलिए 605 में एक आखिरी बड़ी लड़ाई लड़ी जानी थी, और वह कार्केमिश की लड़ाई थी।

आप देख सकते हैं कि कार्केमिश यहाँ है। अंतर्राष्ट्रीय राजनीति किसी भी युग में दिलचस्प बातचीत का कारण बनती है। बेबीलोनियों और मादियों से युक्त यह नया गठबंधन, मिस्र और असीरिया के अवशेषों के इस उभरते गठबंधन से कहीं अधिक शक्तिशाली है।

लेकिन इस क्षण में खो जाना महत्व का साइडबार है। राजा योशिय्याह एक महान और धर्मात्मा राजा था। चूँकि मिस्र की सेनाएँ मेगिदो में अपना रास्ता बना रही हैं, जो इस मानचित्र पर नहीं है, लेकिन मेगिदो में, एक दर्रा है जो कार्मेल पर्वत श्रृंखला से होकर गुजरता है, और ऐतिहासिक रूप से, यही वह दर्रा है जिससे सेनाएँ गुजरना पसंद करती हैं। और योशिय्याह यह जानता था, और इसलिए योशिय्याह ने मिस्रियों को रोकने की कोशिश की, और वहाँ, योशिय्याह ने युद्ध में अपनी जान गंवा दी।

यहूदा के रूढ़िवादी धर्मावलंबियों को यह देखकर परेशानी हो रही होगी कि एक ऐसे राजा को हार का सामना करना पड़ा जिसने इसराइल का सबसे अधिक नेतृत्व किया, या मुझे कहना चाहिए कि यहूदा का नेतृत्व किया, जिसने पुराने नियम के पूरे काल में सबसे व्यापक धार्मिक सुधार में यहूदा का नेतृत्व किया। मिस्र के फिरौन के खिलाफ लड़ाई में उनका जीवन। यह, निश्चित रूप से, परेशान करने वाला हो सकता है, और जैसा कि हमने अपने पिछले टेप में बार-बार उल्लेख किया है, कि किसी अखबार के पहले पन्ने से अपना धर्मशास्त्र बनाना कितना खतरनाक है, इसलिए अब उनके लिए इसकी व्याख्या करना बहुत मुश्किल हो गया होगा क्या भगवान कर रहा है. किसी ने सोचा होगा कि योशिय्याह ने ईश्वर को इस्राएलियों के पक्ष में मोड़ने का अवसर दिया होगा, लेकिन वास्तव में, योशिय्याह का तथाकथित पुनरुद्धार वास्तव में एक पुनरुद्धार नहीं था, यह ऊपर से लगाया गया एक सुधार था।

दुर्भाग्य से, योशिय्याह के धार्मिक सुधारों ने उसके देश, यहूदा के सामाजिक क्षेत्रों में प्रवेश नहीं किया। इसलिए, योशिय्याह की मृत्यु के साथ, यह कहना मुश्किल नहीं है कि यह सिर्फ एक बात है कि दक्षिणी साम्राज्य कब समाप्त होगा। इसलिए, हमारे पाठ पर लौटने के लिए, योशिय्याह ने अपना जीवन खो दिया है, और मिस्रवासी अब फ़िलिस्तीन के नियंत्रण में हैं।

प्रयास में असफल होने के बाद, वे कई वर्षों तक इस पर नियंत्रण रखते हैं, जिसके दौरान वे यहोयाकीम को यहूदा के सिंहासन पर बिठाते हैं। आप जानते हैं, अब तक, दोस्तों, मैं आपको बता दूँ कि यहूदा एक सदी पहले की तुलना में बहुत छोटा खिलाड़ी है। तो, यह बिल्कुल वैसा नहीं है जैसा हमें सोचना चाहिए कि यहूदा वैसा ही है जैसा वह था।

खैर, 609 में लड़ाई हारने के बाद, नेको पुनः संभलता है, पुनर्निर्माण करता है और उत्तर की ओर बढ़ता है, और वहां, 605 में कार्केमिश में एक शक्तिशाली युद्ध में, ये दोनों सेनाएं मिलीं। जाहिर है, मिस्रवासी हार गए, क्योंकि एक साल बाद हमारा एक और लड़ाई लड़ी गई, जिसमें मिस्र की सेना पूरी तरह से नष्ट हो गई। मिस्र के द्वारों के लिए रास्ता खुला होने से, यह संभावना थी कि नबूकदनेस्सर की मृत्यु ने मिस्र को पराजित होने से बचा लिया।

कार्केमिश के बाद, नबूकदनेस्सर, जो नबूकदनेस्सर का पुत्र और सेना का सेनापति था, बेबीलोन में अपने राज्याभिषेक के लिए लौटने के लिए महान अरब रेगिस्तान को पार कर गया। मुझे अपना नक्शा वापस रखना चाहिए ताकि हम सब देख सकें कि क्या हो रहा था। यहाँ मानचित्र स्थिति है।

कार्केमिश में, और उसके एक साल बाद हमारा में, मिस्र की सेनाओं को बार-बार परास्त किया जाता है, और सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए, यह एक शक्तिशाली खिलाड़ी के रूप में मिस्र के अंत का संकेत देने वाला है। इसलिए, हमारा की लड़ाई के बाद, यहां की सेनाएं अब दक्षिण की ओर बढ़ रही हैं, और नबूकदनेस्सर इस क्षेत्र में उतर गया। जब नबूकदनेस्सर ने सुना कि उसका पिता, नबोपोलस्सर, जो बेबीलोन में सिंहासन पर बैठा है, तो उसने सुना कि उसके पिता की मृत्यु हो गई है।

खैर, निःसंदेह, यह एक बिल्कुल नया राजवंश है, इसलिए वह बेबीलोन वापस जाने के लिए उत्सुक है और इससे पहले कि कोई और उसकी जगह ले, वह अपना राज्याभिषेक कर ले। इसलिए, इस तरह, सुरक्षित और सामान्य मार्ग पर जाने के बजाय, बेबीलोन वापस जाने के लिए, वह सीधे महान अरब रेगिस्तान के पार अपना रास्ता बनाता है, और बेबीलोन वापस जाने के लिए अपने जीवन और अंगों को जोखिम में डालता है। और इस प्रकार वहां उसका राज्याभिषेक हुआ और वह प्राचीन काल के महान राजाओं में से एक बन गया।

इसलिए, मिस्र को बेबीलोन के नियंत्रण में आने का क्षण भले ही मिला हो या नहीं, लेकिन अगर ऐसा हुआ, तो यह अपेक्षाकृत संक्षिप्त था और परिणामी नहीं था। असीरियन साम्राज्य के विपरीत, बेबीलोन साम्राज्य का केंद्र उपजाऊ वर्धमान था। बस इतना ही इसने शासन किया, और नबूकदनेस्सर प्राचीन काल के महान और प्रसिद्ध राजाओं में से एक बन गया।

इसलिए, उसने सीधे मिस्र जाना चाहा लेकिन उसे अस्वीकार कर दिया गया। जैसे-जैसे उसके सैन्य बल क्षेत्र में आगे बढ़ रहे थे, उन्होंने वही किया जो साम्राज्य बहुत लंबे समय से करते आ रहे थे। उन्होंने उन लोगों को बंधक बना लिया जिन्हें वे प्रशिक्षित करने जा रहे थे ताकि वे वापस जा सकें और उन्हें बेबीलोनियाई तरीकों और विचारों में शिक्षित करने में मदद कर सकें और फिर बेबीलोनियों की सेवा कर सकें।

इसलिए, हमारा के महान युद्ध के बाद, जैसे ही नबूकदनेस्सर की सेनाएं दक्षिण की ओर बढ़ीं, डैनियल, ईजेकील और अन्य जैसे महत्वपूर्ण लोगों को बेबीलोनियों की सेवा करने के लिए प्रशिक्षित करने के लिए बेबीलोन ले जाया गया। नबूकदनेस्सर के साथ ऐसी स्थिति है कि वह अब शासन कर रहा है, और मैं दिल से चाहता हूँ कि यह संभव हो। यह इज़राइल का इतिहास

पाठ्यक्रम नहीं है, लेकिन मुझे बाइबिल पाठ में जाना और यहूदा के अंतिम दिनों के बारे में आपके साथ बात करना अच्छा लगेगा।

597 में बेबीलोनियों के विरुद्ध विद्रोह हुआ। और मैं आपको यह बताने से खुद को नहीं रोक सकता कि अपने जीवन के इस अंतिम चरण में भी, मुझे यह आश्चर्यजनक से थोड़ा कम लगता है। यहूदा एक छोटा सा देश है, जो मध्य-पश्चिमी राज्य के एक काउंटी से ज्यादा बड़ा नहीं है।

वे राजनीतिक रूप से कमजोर हैं, वे सैन्य रूप से कमजोर हैं, और उनका बेबीलोन के खिलाफ विद्रोह करना वास्तव में आश्चर्यजनक है। और फिर भी, बिल्कुल वैसा ही हुआ। नबूकदनेस्सर अपनी सेना पश्चिम की ओर लाता है।

उनमें समर्पण करने की अच्छी समझ होती है। नबूकदनेस्सर ने लगभग 10,000 यहूदियों को बंदी बना लिया। और किसी ने सोचा होगा कि इससे अंत हो जाएगा।

यहूदा अब अपनी भूमिका समझेगा, जो कि बेबीलोनियों का गुलाम राष्ट्र बनना है। बेबीलोन में दास बनने से अपने ही देश में बेबीलोनियों का दास बनना उत्तम है। किसी ने सोचा होगा कि 597 का विद्रोह पर्याप्त होगा, लेकिन ऐसा नहीं था।

587-586 में उन्होंने दूसरी बार विद्रोह किया। और बाइबिल के पाठ को पढ़ना विशेष रूप से दिलचस्प बात है क्योंकि यह विद्रोह ऊपर से नहीं, बल्कि नीचे से आया था। सिदकिय्याह के नेतृत्व में विद्रोह हमें बाइबिल के पाठ से पता चलता है कि सिदकिय्याह जानता था कि वह किसके खिलाफ था।

सिदकिय्याह बेबीलोनियों के विरुद्ध विद्रोह नहीं करना चाहता था। वह वास्तव में यिर्मयाह के पास आया था या यिर्मयाह के साथ बात करने के लिए रात में यिर्मयाह उसके पास आया था। यिर्मयाह के पास परमेश्वर का मन था, और वह उनसे कह रहा था कि यदि वे स्वयं को बेबीलोनियों के अधीन नहीं करेंगे तो वे नष्ट हो जायेंगे।

लेकिन यह मध्य पूर्व है, और शायद वर्तमान धार्मिक तनाव को पिछली दुनिया पर थोपना नासमझी है, लेकिन यहूदा में धर्मवादियों, धार्मिक राष्ट्रवादियों ने खुद को आश्वस्त किया था कि भगवान उनके साथ थे और भगवान उन्हें बचाने के लिए मजबूर होंगे। इसलिए, उन्होंने सिदकिय्याह की इच्छाओं पर पानी फेर दिया, और उन्होंने उसे नबूकदनेस्सर के खिलाफ विद्रोह करने के लिए मजबूर किया। तो, इसके साथ, नबूकदनेस्सर अपनी सेना को पश्चिम में लाता है, और अपेक्षाकृत छोटी घेराबंदी के बाद, यरूशलेम गिर जाता है, और आबादी अब बेबीलोन में निर्वासित हो जाती है।

सिदकिय्याह एक विशेष रूप से दुखद मामला है क्योंकि वह इतना चतुर था कि जानता था कि इस विद्रोह का वस्तुतः कोई मौका नहीं था। इसलिए, जब बेबीलोन की सेनाएं उसके क्षेत्र में प्रवेश करती हैं, तो वह अपने परिवार को अपने साथ ले जाता है, और वे मृत सागर के रास्ते भाग जाते हैं, और वे दक्षिण की ओर मिस्र की ओर जा रहे होते हैं। और वहां, नबूकदनेस्सर की घुड़सवार सेना ने उसे पकड़ लिया, और इसलिए वे उसे यरूशलेम वापस ले आए, और वहां, यरूशलेम

शहर के जो भी बचे हुए तत्व थे, उनके सामने, उन्होंने एक-एक करके, उसके परिवार के प्रत्येक सदस्य की हत्या कर दी। सिदकिय्याह, पत्नियाँ, और बच्चे, और फिर उन्होंने सिदकिय्याह की आँखें फोड़ दीं।

साक्ष्य, या एक उद्देश्य के साथ, ताकि सिदकिय्याह ने जो आखिरी चीज कभी देखी होगी वह यह है कि उसके परिवार के प्रत्येक सदस्य की हत्या कर दी गई है। बेबीलोन के विरुद्ध इस विद्रोह के लिए उन्हें बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। तो, जैसा कि हम इसे देखते हैं, यह नबूकदनेस्सर के शासनकाल के दौरान होता है, और निस्संदेह, यहूदा प्राचीन दुनिया की बुफे मेज पर एक हिचकी है।

यह अप्रासंगिक है, लेकिन अब, जब हम पीछे मुड़कर सोचते हैं, तो अब्राहम से किए गए वादों के बारे में हमारी पिछली टिप्पणियों में, भूमि खो गई है, मंदिर खो गया है, राजा खो गए हैं, और इसलिए अब उनके पास एक दुर्लभ अवसर है राष्ट्र के लिए आशीर्वाद बनें क्योंकि वे सात दशकों तक बेबीलोन में रहेंगे। यह यहूदी लोगों के लिए अत्यधिक महत्व का समय रहा होगा। इसलिए, यदि आप मुझे एक क्षण के लिए यहीं रुकने की अनुमति दें, तो हम यह मान सकते हैं कि वे बच गए क्योंकि हम जानते हैं कि वे बच गए, लेकिन हमें खुद को रोककर पूछना होगा कि वे कैसे और क्यों जीवित बचे? असीरियन-बेबीलोनियन परिवेश में बंदी बनाए गए अन्य लोगों में से कोई भी जीवित नहीं बचा, फिर भी यहां हमारे पास एक अभूतपूर्व स्थिति है जिसमें भगवान के लोगों ने अपनी पहचान, निर्वासन में एक पहचान, और एक पहचान बनाए रखी जिसे उन्होंने शेष रहने के बाद भी बनाए रखा। बाबुल को छोड़कर वापस चले गए और अपने देश में फिर से बस गए।

मेरा यही मतलब है जब मैं आपको सुझाव देता हूँ कि बेबीलोन में बहुत महत्वपूर्ण धार्मिक गतिविधियां हो रही थीं जो बाइबिल के पाठ में दिखाई नहीं देती हैं। बाइबल वास्तव में हमें बेबीलोन में निर्वासन की 70-वर्षीय अवधि के बारे में बहुत कुछ नहीं बताती है, लेकिन निर्वासन समाप्त नहीं हुआ, यह यहूदियों के विशाल बहुमत के लिए समाप्त नहीं हुआ। वे कभी वापस नहीं आये।

जब निर्वासन खत्म हुआ, तो केवल लगभग 50,000 ही वापस आये। तो, हम यह कह सकते हैं: उन्हें अपनी धार्मिक पहचान को सुधारने की ज़रूरत थी। और यदि मुझे बड़े स्वर में बोलने के लिए क्षमा किया जा सकता है, तो बेबीलोन में निर्वासन से पहले, जब आप भविष्यवक्ताओं को पढ़ते हैं, तो आप यहूदियों की एक बड़ी समस्या के बारे में पढ़ते हैं, और वह प्रमुख समस्या कानूनों का पालन किए बिना मंदिर के अनुष्ठान में खुद को निवेश करना था। वह परमेश्वर ने मूसा को दिया।

तो,, निर्वासन में हमारे पास जो है वह एक नए जोर का उद्भव है। धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से, इस्राएलियों, या यहूदियों ने एक व्यक्ति के रूप में अपने धार्मिक मंच का पुनर्निर्माण किया, और उन्होंने इसे मंदिर अनुष्ठान के आसपास नहीं बनाया, क्योंकि उनके पास ऐसा नहीं था, बल्कि मूसा के कानून पर जोर देने के आसपास था। अब, हमारे पास बेबीलोनियन वर्षों के किसी भी परिणाम की साहित्यिक जानकारी नहीं है जो हमें उसके बारे में जानकारीपूर्ण रूप से बात करने की अनुमति देती है।

लेकिन स्पष्ट रूप से, यहूदियों की प्रतिभा, या प्रतिभा के प्रमाणों में से एक, मौलिक रूप से नई धार्मिक स्थिति पर काबू पाने और एक नई प्रतिक्रिया तैयार करने की उनकी क्षमता है, और वह नई प्रतिक्रिया आश्चर्यजनक तरीके से उनकी सेवा करेगी क्योंकि अगले 2,500 वर्षों तक, वे एक लोग होंगे, शायद दुनिया के एकमात्र लोग, जो किसी देश के बिना जीवित रहेंगे। वे, 2,500 वर्षों तक निर्वासन में राष्ट्रीय पहचान बनाने में कामयाब रहे। यह एक निर्माणात्मक अवधि है।

निस्संदेह, इसने उन्हें अपना ध्यान उस ओर लगाने के लिए मजबूर किया जिसे हम बाइबिल पाठ कहते हैं। बेशक, इसका कोई सबूत नहीं है कि वे उस समय बाइबिल बनाने में सक्षम थे, इसका सीधा सा कारण यह था कि किताबें नहीं थीं। स्कॉल बड़े और बोझिल थे, और पुराने नियम के आकार का दस्तावेज़ रखना संभव नहीं था।

लेकिन ऐसा लगता है जैसे बेबीलोन के निर्वासन में, वे मंदिर से पाठ, अनुष्ठान से कानून की ओर स्थानांतरित हो गए। तो, यह एक बहुत ही रचनात्मक समय था, और दुर्भाग्य से, हम इस पर किसी भी तरह के सार्थक तरीके से बात नहीं कर सकते। इसलिए, इसके बजाय, हम महान नबूकदनेस्सर के माध्यम से इस नव-बेबीलोनियन काल पर एक संक्षिप्त नज़र डालेंगे।

कई शिलालेख बेबीलोन में इस अद्भुत राजा के प्रचुर निर्माण प्रयासों का विवरण देते हैं। प्रसिद्ध यूनानी इतिहासकार हेरोडोटस ने 460 में शहर के बारे में जो कुछ कहा, वह नबूकदनेस्सर के प्रयासों का परिणाम था। उन्होंने बेबीलोनिया के अन्य हिस्सों में भी एक आक्रामक निर्माण कार्यक्रम चलाया।

ऐसा प्रतीत होता है कि वह जानबूझकर अपने से पहले के महान राजाओं की श्रेष्ठता को प्रतिबिंबित कर रहा था। यह पुरातनीकरण संपूर्ण नव-बेबीलोनियन काल की विशेषता है। आप देखिए, बेबीलोनियों ने खुद को प्राचीन निकट पूर्वी धार्मिक इतिहास में बेहद प्रभावशाली बेबीलोनियाई उपस्थिति की निरंतरता के रूप में देखा।

नबूकदनेस्सर के जीवन के अंतिम वर्ष अस्पष्ट थे। हमारे पास बहुत कम दस्तावेज हैं, और यह समयावधि जब यह महान और बहुत ही दृश्यमान राजा लगभग अदृश्य हो जाता है, डैनियल ने नबूकदनेस्सर की बीमारी के बारे में जो वर्णन किया है, उसकी पुष्टि हो सकती है। शाही अहंकार के विरोधाभास में, नबूकदनेस्सर खुद को भगवान से बहुत स्वतंत्र मानता है, और बाइबिल में, वह मारा गया है।

इसकी औसत व्याख्या यह है कि वह गोजातीय गुणों की बीमारी से जूझ रहा था क्योंकि वह जानवरों की तरह घास खाता था। और इसलिए, बीमारी के उस दौर में, वह इतिहास के पन्नों से लगभग गायब हैं। बाइबिल में, उस बीमारी से मुक्ति के बाद, उसे ईश्वर की वास्तविकता के बारे में स्पष्ट जागरूकता होती है और वह खुद को विनम्र बनाता है, और निश्चित रूप से, यह राजाओं के सोचने के तरीके के अनुरूप है।

इसलिए, नबूकदनेस्सर खुद को बहुत साहसी और महान ऊर्जा वाला व्यक्ति दिखाता है; वह अपनी सैन्य जीतों के लिए जाना जाता है, लेकिन वह वास्तव में शायद बेहतर है, उसे बेबीलोन के

महान शहर में अपनी जबरदस्त निर्माण गतिविधियों के लिए बेहतर जाना जाना चाहिए। जब आप आज दुनिया के इस हिस्से की यात्रा करते हैं, और आप बेबीलोन की साइट पर जाते हैं, तो आपकी आंखें जो कुछ देखती हैं वह नबूकदनेस्सर द्वारा बनाए गए निर्माण के अवशेष हैं। तो, वह एक महान राजा था, जिसका उल्लेख, निश्चित रूप से, डैनियल में किया गया है, लेकिन हम सबसे अस्पष्ट राजाओं में से एक, नबोनिडस के बारे में बात करेंगे जिसके बारे में हम बात करेंगे।

नेबोनिडस को समझाना कठिन है क्योंकि मेसोपोटामिया में उसकी अच्छी छपाई नहीं होती। कुछ लोग उसे पागल समझते हैं। चंद्र देवता सिन के प्रति उनकी अद्वितीय निष्ठा थी।

जाहिर है, उसने मिस्रियों और बेबीलोनियों के बीच युद्ध में पवित्र शहर हारान का विनाश देखा। उन्होंने इसे इस बात के प्रमाण के रूप में देखा कि चंद्र देवता सिन दुर्व्यवहार और उपेक्षा से नाखुश थे। इसलिए, उन्होंने उस मंदिर का पुनर्निर्माण कराया जहां उनकी मां पहले एक भक्त थीं।

उन्होंने अपनी बेटी को उर में दृश्य की पुजारिन के रूप में स्थापित किया। फिर उसने अरब में तिमा के रेगिस्तानी नखलिस्तान में सिन के लिए एक महान शहर और मंदिर बनाया। मुझे लगता है कि मेरे पास टिमा है ताकि आप इस साइट का स्थान देख सकें।

एक दशक या उससे अधिक समय तक, उन्होंने बेबीलोन में अपना सिंहासन त्याग दिया और तिमा के इस रेगिस्तानी इलाके में चले गए। वहां उसने चंद्र देवता सिन का एक बहुत बड़ा मंदिर बनवाया था। यह उस स्थान पर एक मरूद्यान है।

वहाँ, उसने तिमा के चारों ओर एक महान शहर की दीवार बनवाई। आपके लिए इसका वर्णन करना कठिन है, लेकिन तिमा एक मरूद्यान थी। यह कोई शहरी केंद्र नहीं था, फिर भी उसने तिमा के चारों ओर एक शक्तिशाली शहर के लिए पर्याप्त बड़ी दीवार बनवाई।

तो, यह प्राचीन काल में किसी भी राजा का सबसे अजीब व्यवहार है। हम इस तथ्य को कैसे समझा सकते हैं कि उन्होंने अपना सिंहासन त्याग दिया? उसने अपने बेटे बेलशस्सर के लिए राजगद्दी छोड़ दी। उसने बेबीलोन में अपना सिंहासन त्याग दिया।

हमें यकीन नहीं है कि वह कभी वापस गया या नहीं—इसके बारे में कुछ बहस चल रही है। उन्होंने तिमा में निवास किया, जहां उन्होंने एक महान मंदिर और शहर के चारों ओर एक बड़ी दीवार बनवाई।

इसे कैसे समझाया जाए? मुझे पूरा यकीन है कि मैं आपसे कह सकता हूं कि जो कुछ हो रहा था उसका स्पष्ट स्पष्टीकरण किसी के पास नहीं है। जैसा कि मामला है, इन अजीब व्यवहारों को समझाने के लिए अलग-अलग प्रयास किए जा रहे हैं। उनमें से एक जो मुझे लगता है कि कम से कम आंशिक रूप से सच होने की उच्च स्तर की संभावना है, उसे मैं भक्त दृष्टिकोण कहता हूं।

दूसरे शब्दों में, नबोनिडस का व्यवहार एक धार्मिक तपस्वी का था। वह चंद्र देवता सी के प्रति विशिष्ट रूप से समर्पित था और इसलिए, शायद इसी विचार में, उसने खुद को बेबीलोन से अनुपस्थित रखना चाहा। अब, ऐसा नहीं था कि बेबीलोनिया में देखने के लिए कोई मंदिर नहीं थे।

लेकिन बेबीलोन में धार्मिक पदाधिकारियों के बीच लगभग निश्चित रूप से राजनीतिक विवाद था, जिन्होंने नबोनिडस के विपरीत मर्दुक पर ध्यान केंद्रित किया था, जो दृश्य पर केंद्रित था। और इसलिए शायद यह उस विवाद से बचने और खुद को बिना किसी बाधा के पाप के प्रति समर्पित करने के लिए था कि वह खुद को अनुपस्थित कर लिया और बेबीलोन से दूर दस या अधिक वर्षों तक इस नखलिस्तान में रहने लगा। मुझे लगता है कि इस दृष्टिकोण का कुछ महत्व है।

हालाँकि, यह उसके कार्यों को पूरी तरह से स्पष्ट नहीं कर सकता है, जिसके कारण उसके अजीब व्यवहार को समझने के अन्य प्रयास किए गए हैं। दूसरा प्रयास वह है जिसे धार्मिक-राजनीतिक दृष्टिकोण कहा गया है।

और यह धार्मिक-राजनीतिक दृष्टिकोण यह बताता है कि बेबीलोन का मुख्य देवता मर्दुक देवता है। मर्दुक की पूजा पश्चिम में नहीं की जाती, विशेषकर अरबों और अरामियों के बीच। इसलिए, जब हम पश्चिम कहते हैं, तो हम जिसका संदर्भ दे रहे हैं वह यूफ्रेट्स के पश्चिम से लेकर यहां तक, साम्राज्य का पूरा पश्चिमी आधा हिस्सा है। मर्दुक की पूजा नहीं की जाती।

तो, यह दृष्टिकोण यह सुझाव दे रहा है कि नबोनिडस शायद अपने देश को एक पुराने प्रतिष्ठित देवता के आसपास एकजुट करने की कोशिश कर रहा था जैसे कि देखा गया। अब, इसके कुछ दिलचस्प पहलू हैं, भले ही हम स्वीकार करें कि हम इसे साबित नहीं कर सकते। यदि कोई ऐसा देवता है जिसकी पूरे फ़र्टाइल क्रिसेंट में पूजा की जाती है, तो वह चंद्र देवता होंगे।

कुछ विद्वानों का मानना है कि माउंट सिनाई को चंद्रमा देवता सिन के कारण माउंट सिनाई कहा जाता था। हम जानते हैं कि इज़राइल में जेरिको के महान शहर का नाम चंद्रमा देवता यारिक के नाम पर रखा गया था। हम जानते हैं कि अरामी और अरब दोनों के लिए, प्राचीन दुनिया का पूरा पश्चिमी हिस्सा चंद्रमा देवता सिन को पसंद करता था।

तो, यह दृष्टिकोण यह तर्क दे रहा है कि शायद नबोनिडस जो करने की कोशिश कर रहा था वह खुद को बेबीलोन से अनुपस्थित करके और यहां जाकर, इसे एक धार्मिक केंद्र में बदल रहा था जो चंद्रमा देवता के धार्मिक ध्वज के तहत बेबीलोन की उपजाऊ वर्धमान शक्ति को एकजुट कर सकता था। यह दिलचस्प है, या कम से कम मेरे लिए यह दिलचस्प है, लेकिन किसी भी हद तक निश्चितता के साथ कहना मुश्किल है। उदाहरण के लिए, यह आवश्यक रूप से स्पष्ट नहीं करता कि वह पूरे दस वर्षों तक अनुपस्थित क्यों रहे।

वह फ़र्टाइल क्रीसेंट में किसी भी जगह से इस तरह का काम कर सकता था। यह आवश्यक रूप से स्पष्ट नहीं करता कि उसने कुछ ताड़ के पेड़ों के चारों ओर एक विशाल दीवार क्यों बनाई होगी। यह आवश्यक रूप से स्पष्ट नहीं करता है कि उसने ऐसी जगह देखने के लिए एक विशाल मंदिर क्यों बनवाया जहां इसका उपयोग करने के लिए बहुत अधिक मनुष्य नहीं थे।

इसलिए, हालांकि इसका कुछ मूल्य हो सकता है, हम यह कहने में सावधानी बरतना चाहेंगे कि कोई भी दृष्टिकोण इसे पर्याप्त रूप से समझाता नहीं है या इस असामान्य व्यवहार को पूरी तरह से समझाता नहीं है। एक तीसरा दृष्टिकोण है जिसका उल्लेख मैंने यहां अपने कक्षा नोट्स में किया है, और उस तीसरे दृष्टिकोण को मैं भू-आर्थिक दृष्टिकोण कहता हूं। वर्ष 560 से 485 तक, बेबीलोनिया ने 200% से अधिक की विनाशकारी मुद्रास्फीति का अनुभव किया।

दूसरे शब्दों में, आर्थिक रूप से, बेबीलोनिया में चीजें वास्तव में अच्छी नहीं चल रही थीं। मुद्रास्फीति अधिक थी, अर्थव्यवस्था मजबूत नहीं थी, और इसलिए यह दृष्टिकोण बताता है कि वह जो करने की कोशिश कर रहा था वह व्यापार मार्गों को फिर से बनाना था जो बेबीलोन साम्राज्य के आर्थिक केंद्र को फिर से तैयार कर सके। यह दृष्टिकोण यह तर्क देने की कोशिश कर रहा है कि वह एक आर्थिक व्यापार हस्तांतरण बनाने की कोशिश कर रहा था जो बेबीलोन पर कम जोर दे और साम्राज्य के पश्चिमी आधे हिस्से पर अधिक जोर दे।

खैर, नबोनिडस के शासनकाल के अंतिम वर्षों में, हमारे पास यह समझाने का एक अच्छा कारण है कि उनके पास विनाशकारी मुद्रास्फीति क्यों थी। उन अंतिम वर्षों में, यदि आप बेबीलोनिया के ऊपर सैल्मन रंग के क्षेत्र को देखते हैं, तो आप जो बता सकते हैं वह यह है कि पिछले वर्षों में, मेड्स और फारसियों ने एक विशाल चाप में विजय प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की थी, जिससे बेबीलोनिया हर दिशा से कट गया था। पश्चिम को छोड़कर. इसलिए, यह प्रशंसनीय है कि नबोनिडस पूर्व से मेदो-फारस नामक उभरती हुई शक्ति के लिए एक आर्थिक प्रतिक्रिया तैयार करने की कोशिश कर रहा था।

इसलिए, जब हम उसके व्यवहार को देखते हैं, तो हम कहते हैं कि हमें यकीन नहीं है कि हम यह बता सकते हैं कि उसने जो किया वह क्यों किया। लेकिन हम जो कह सकते हैं वह यह है कि वह बाइबल में अपने बेटे बेलशस्सर जितना प्रसिद्ध नहीं है। क्योंकि बेलशस्सर बेबीलोन में सिंहासन पर शासन कर रहा है, हमें यकीन नहीं है कि क्या नबोनिडस ने पूरी तरह से गद्दी छोड़ दी थी और बेलशस्सर ही सटीक राजा था या बेलशस्सर सह-शासनकर्ता था।

यह बिल्कुल स्पष्ट नहीं है, लेकिन जो स्पष्ट है वह यह है कि नबोनिडस बेबीलोन में शासन नहीं कर रहा था और बेलशस्सर शासन कर रहा था। और, निस्संदेह, डैनियल की पुस्तक ने बेलशस्सर को प्रसिद्ध बना दिया है, और इसलिए बेलशस्सर शहर पर शासन कर रहा है जब हम डैनियल में कहानी पढ़ते हैं कि बेलशस्सर एक भोज का आदेश देता है। किसी राजा के लिए भोज का आदेश देना विवादास्पद नहीं है।

आखिरकार, राजाओं के पास बहुत सारा समय था। आपने एस्तेर जैसी किताब पढ़ी, और पूरी किताब राजा द्वारा दिए गए विभिन्न भोजों से विरामित प्रतीत होती है। इसलिए, वह एक भोज आयोजित करता है, और भोज में, बेलशस्सर आदेश देता है कि मंदिर के बर्तन... धार्मिक बर्तन जो मंदिर की पूजा में उपयोग किए जाते थे, संभवतः वह वाचा के सन्दूक को अपने साथ कैद में ले गया।

और इसलिए, वह उन्हें पीने के बर्तन के रूप में बाहर लाने का आदेश देता है। खैर, पार्टि के बीच में, भगवान हस्तक्षेप करते हैं और अचानक दीवार पर एक दिव्य हाथ से रहस्यमय शब्द लिखना शुरू कर देते हैं, और यह निश्चित रूप से पार्टि के मूड को पुनर्व्यवस्थित कर देगा। वे बर्बाद लोगों के भोज से भयभीत लोगों के भोज में चले गए।

मैं बर्बाद इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि डेनियल की किताब के पाठकों को यह बिल्कुल भी दिखाई नहीं देता है। यह दिखाई नहीं दे रहा है कि बेबीलोन घेराबंदी के अधीन था और एक वर्ष से अधिक समय से फ़ारसी सेनाओं द्वारा घेराबंदी में था। तो, भोज उस समय दिया गया भोज है जब सेनाएं बेबीलोन शहर को घेर रही हैं।

और वहां हमारे पास यह लिखावट है: मेने, मेने, टेकेल, उपरसिन। बेलशस्सर इसकी व्याख्या चाहता है। अब, यह पढ़ने में गूढ़ नहीं है; शब्द काफी आसान हैं।

यह मेने, क्रमांकित, टेकेल है, टेकेल शेकेल के लिए अरामी है। शेकेल का अर्थ है तौला हुआ, इसलिए इसे गिना गया, तौला गया और अलग किया गया। उपरसिन।

इसलिए, डैनियल की एक धर्मवादी के रूप में प्रतिष्ठा है। तो, डैनियल को अंदर लाया जाता है और डैनियल लेखन की व्याख्या करता है। उन्होंने इसका अनुवाद नहीं किया; किसी को पता था कि यह क्या कह रहा था।

वह इसकी व्याख्या करता है। और वह उनसे कहता है, बेलशस्सर, तेरे दिन अब गिनती के रह गए हैं। आपका व्यवहार कमज़ोर है।

और तुम अपने राज्य से पृथक हो जाओगे। और यह है, आप जानते हैं, उनकी दुनिया में और उनकी भाषा में, दोस्तों, उन्हें जुमलों से प्यार था। और यही वह शब्द है जिससे हमें फ़रीसी शब्द मिलता है, वह मूल जिससे हमें यह मिलता है।

फ़रीसियों का अर्थ है बिछड़े हुए लोग। और इसलिए, यहां शब्द का अर्थ अलग कर दिया गया है, लेकिन यह फ़ारसी शब्द का एक समानार्थी शब्द भी है। यदि आप व्यंजनों को देखें, तो आप देख सकते हैं कि व्यंजन समान हैं।

संक्षेप में, सपना बेलशेज़र को बता रहा है कि आप अलग होने जा रहे हैं, और फ़ारस के लोग ऐसा करने वाले होंगे। तो, यह फ़ारसी और फ़रीसी समानार्थी शब्दों पर एक शब्द-क्रीड़ा है। तो, उसी रात, बेबीलोन शहर गिर गया, और बेलशस्सर को सिंहासन से हटा दिया गया।

नव-बेबीलोनियन काल, ठीक उसी तरह समाप्त हो गया। बेशक, आपको याद होगा कि मैंने इन अत्यधिक केंद्रीकृत राजनीतिक संस्थाओं के बारे में क्या उल्लेख किया था। और इसलिए, ये अत्यधिक राजनीतिक संस्थाएं प्रकट होते ही अचानक ध्वस्त हो जाती हैं।

चूंकि फ़ारसियों ने बेबीलोनिया के उत्तरी हिस्से में पहले से ही क्षेत्र पर विजय प्राप्त कर ली है, इसलिए उनके लिए वास्तव में बेबीलोन शहर पर कब्जा करना बाकी है, जो निश्चित रूप से यहां

होता है। और ठीक उसी तरह, मादी-फारसियों को उपजाऊ वर्धमान विरासत में मिला है। और इसलिए अब हम ऐसे दिखने वाले मानचित्र से हटकर उस मानचित्र की ओर बढ़ते हैं जिसके बारे में हमने आपको पिछले दिन बताया था, एक ऐसा मानचित्र जिसमें हमारे पास दुनिया का सबसे बड़ा भूभाग साम्राज्य है।

इसलिए, हम इतिहास में पहली बार अपना ध्यान फ़र्टाइल क्रीसेंट से हटाकर पूर्व की ओर स्थानांतरित करेंगे। हमारे लिए यह भूलना बहुत आसान है कि फ़ारसी साम्राज्य दुनिया का पहला साम्राज्य है जो फ़र्टाइल क्रीसेंट के साम्राज्य पर आधारित नहीं है। इसलिए, फ़ारसी साम्राज्य के अस्तित्व में आने से बहुत पहले, 5वीं और 4थी सहस्राब्दी ईसा पूर्व में स्थलों से कब्ज़ा और कलात्मक साक्ष्य मिले थे।

महान ईरानी पठार पर इन शहरों में सबसे प्रसिद्ध सुसा और एलाम थे। पहली सहस्राब्दी की शुरुआत तक, लोगों को आर्य कहा जाता था, अब पहली सहस्राब्दी 1000 के बराबर होगी, इसलिए लगभग 1000 ईसा पूर्व तक, इन आर्य लोगों ने इस क्षेत्र में प्रवास या प्रवास करना शुरू कर दिया था। प्रवासन पूरा होने के बाद, ऐसा प्रतीत हुआ कि पाँच महान जनजातियाँ थीं, जिनमें परसुआ और मडाई सबसे महान थीं, मेडीज़ और फ़ारसी।

लेकिन परिणाम की अन्य जनजातियाँ भी थीं। पार्थव ने दुनिया को पार्थियन साम्राज्य दिया, जो रोमन काल के दौरान पूरे पूर्वी भूमध्य सागर में रोम का सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी था। तो, पार्थव एक जनजाति थी।

वास्तव में, पेंटेकोस्ट में, अधिनियमों की पुस्तक में, हमने पढ़ा कि पेंटेकोस्ट में पार्थिया के यहूदी मौजूद थे। फिर हमारे पास अराकोसियन और बैक्ट्रियन हैं, और इसलिए ये तथाकथित फ़ारसी लोगों की पाँच जनजातियाँ हैं। मेडीज़, फ़ारसी, पार्थियन, अराकोसियन और बैक्ट्रियन।

इसलिए, मुझे यकीन नहीं है कि क्या हम उन नामों को यहां देख सकते हैं, लेकिन अगर हम कर सकते हैं, तो हम आपको दिखा सकते हैं कि वे कहां हैं। तो, मादी यहाँ मादी-फारस के उत्तरी भाग में स्थित हैं। फारसियों का निवास दक्षिणी भाग में है।

यहाँ पर बैक्ट्रियन हैं। यहाँ अराकोसिया है, और यहाँ बीच में पार्थिया है। तो, इन पाँच महान जनजातियों ने इस क्षेत्र को पूर्व में भर दिया, और इसलिए इतिहास में पहली बार, राजनीतिक शक्ति मेसोपोटामिया से दूर पूर्व की ओर स्थानांतरित हो गई।

वास्तव में, विडंबना यह है कि भले ही सहस्राब्दियों तक प्राचीन दुनिया में सत्ता का एकमात्र केंद्र मेसोपोटामिया था, पूर्व में सत्ता के स्थानांतरण के साथ, यह आखिरी बार दर्शाता है कि सत्ता का केंद्र कभी मेसोपोटामिया होगा। क्योंकि जब सत्ता पूर्व से स्थानांतरित होगी, तो यह पश्चिम में सिकंदर महान के व्यक्ति में और फिर रोमन साम्राज्य के लोगों में स्थानांतरित हो जाएगी। तो, जो अभी घटित हुआ है वह परिणाम के इतिहास में इतना महत्वपूर्ण युग है कि आपको यह समझाना कठिन है कि इन सबका क्या मतलब है।

इतनी जल्दी, जैसे ही हम इस घंटे के अंत के करीब आने लगते हैं, मैं आपको बता दूँ कि विश्व इतिहास का केंद्र हमेशा उपजाऊ वर्धमान था। मेडो-फ़ारसी साम्राज्य के उदय के साथ, फ़र्टाइल क्रीसेंट फिर कभी सत्ता का केंद्र नहीं होगा। यहां से, बिजली अपना रास्ता उपजाऊ वर्धमान से दूर, पहले पूर्व की ओर, फिर पश्चिम की ओर स्थानांतरित कर देगी।

इस प्रकार, यह आज भी जारी है। जब आप अब इस क्षेत्र को देखेंगे, तो आप इसे वह साम्राज्य कह सकते हैं जो नष्ट हो गया। वे सभी साम्राज्य खत्म हो गए।

ज़मीन जो थी उसका एक अंश मात्र है। भूमि को भारी पारिस्थितिक क्षति हुई है। वैश्विक स्तर पर सूखा पड़ गया है।

तो, यह ऐतिहासिक क्षेत्र, जो उपजाऊ और शक्तिशाली था, अब निर्विवाद रूप से गिरावट शुरू हो गई है जिससे यह कभी भी उबर नहीं पाएगा। अब यहां की सत्ता पूरब की ओर शिफ्ट हो जायेगी। यह पूर्व हमारे हितों के लिए एक नाटकीय परिवर्तन है क्योंकि ये आर्य यहूदी नहीं हैं; वे इंडो-आर्यन हैं।

और इसका मतलब यह नहीं है कि हम आपको ठीक-ठीक बता सकते हैं कि जब वे प्रवासित हुए तो वे कहाँ से आए थे। लेकिन हम आपको बता सकते हैं कि वे यहूदी नहीं हैं। उनका कोई ऐतिहासिक धर्म नहीं है।

उनकी भाषा सामी नहीं है; यह मेडो-फ़ारसी है। उनकी संस्कृति सामी नहीं है, और उनका विश्वदृष्टिकोण सामी नहीं है।

इसलिए, हमारे पास न केवल भूराजनीतिक परिणामों का बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक विचारों का भी बदलाव है। यह इतिहास का एक युगांतकारी क्षण है। यह हमें फ़ारसी साम्राज्य में ले जाएगा, जो कई शताब्दियों तक चला।

यह अद्वितीय परिणाम का साम्राज्य है। इसलिए, इन जनजातियों की एकता को सटीक होने में समय-सदियाँ लग गईं।

यह पहली बार मीडिया जनजाति के प्रभुत्व में प्रकट हुआ। निस्संदेह, बाद के राजा, एकजुट होने के बाद, असीरिया के पतन में प्रमुख थे। महान साइरस के उदय तक इन दोनों जनजातियों का संबंध कुछ हद तक सामंजस्यपूर्ण था, जिसने मीडियन राजाओं के लिए चीजों को थोड़ा परेशान कर दिया था।

इसलिए, मुझे लगता है कि हमें यहीं रुकना चाहिए और फिर अगले टेप में प्राचीन इतिहास के सबसे दिलचस्प व्यक्तियों में से एक के बारे में बात करने के लिए वापस आना चाहिए। उन्हें साइरस द ग्रेट कहा जाता है। वह प्राचीन काल के किसी भी अन्य राजा से भिन्न, एक राजा था।

और उसके बारे में बात करना आनंददायक है। तो, हम यहीं रुकेंगे और फिर शीघ्र ही अपना अगला टेप शुरू करेंगे।

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 21, नव-बेबीलोनियन साम्राज्य और यहूदा का अंत है।